DSSSB TGT & PGT

Part-B

SCHOLAR BATCH

SOCIAL SCIENCE

Climatology

(जलवायु विज्ञान)

LIVE 19-04-2024 08:00 PM

जलवायु विज्ञान
(Climatology)

वायुमण्डल → विभिन्न गैसों का सम्मिश्रण। जो हमारे चारों ओर विस्तृत हैं वायुमण्डल कहलाता है।

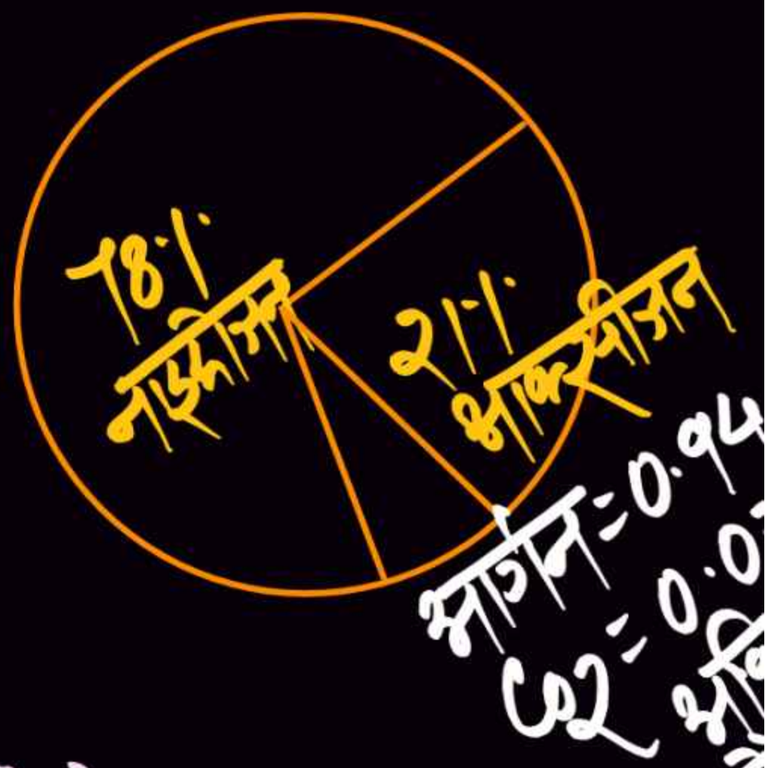

वायुमण्डल का संघटन :-

नाइट्रोजन	78%	हीलियम	
ऑक्सीजन	21%	जलवाष्प	
आर्गन	0.94%	ओजोन (O_3)	
CO_2	0.039%		

ग्रीनहाउस गैसें :

CO_2 (कार्बनडाई ऑक्साइड)
सर्वाधिक मात्रा

CH_4 (परिमाणात्मक)

SO_2, NxO, CFC,
HFC, SF_6

अल्पमात्रा

सूर्य से आने वाले कम ऊर्जीय विकिरण को अवशोषित तो कर लेती हैं, परन्तु रात्रि के समय दीर्घ तरंगीय विकिरण के माध्यम से इन्हे Release नहीं करती हैं।

जिस कारण पृथ्वी के सतह का तापमान बढ़ता है।

वैश्विक तापन

अभिनव - समतापमण्डल में पाया जाता है इसका प्रमुख कार्य सूर्य से आने वाली पराबैंगनी विकिरण को अवशोषित करती है

पराबैंगनी विकिरण धरातल पर प्राप्त

Skin cancer त्वचा संबंधी अन्य रोग होते हैं

ओजोन परत का समाप मण्डल में लगातार क्षरण हो रहा है

क्योंकि कुछ गैसे - नाइट्रोजन ऑक्साइड्स
CFC
HFC

संघनन का

क्योटो प्रोटोकॉल 1997

(जापान = क्योटो)

ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती से सम्बंधित है।

मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल 1987 (कनाडा = मॉन्ट्रियल)

↳ ओजोन परत संरक्षण से सम्बंधित है।

तापमान की विभिन्नता के आधार पर वायुमण्डल का वर्गीकरण →

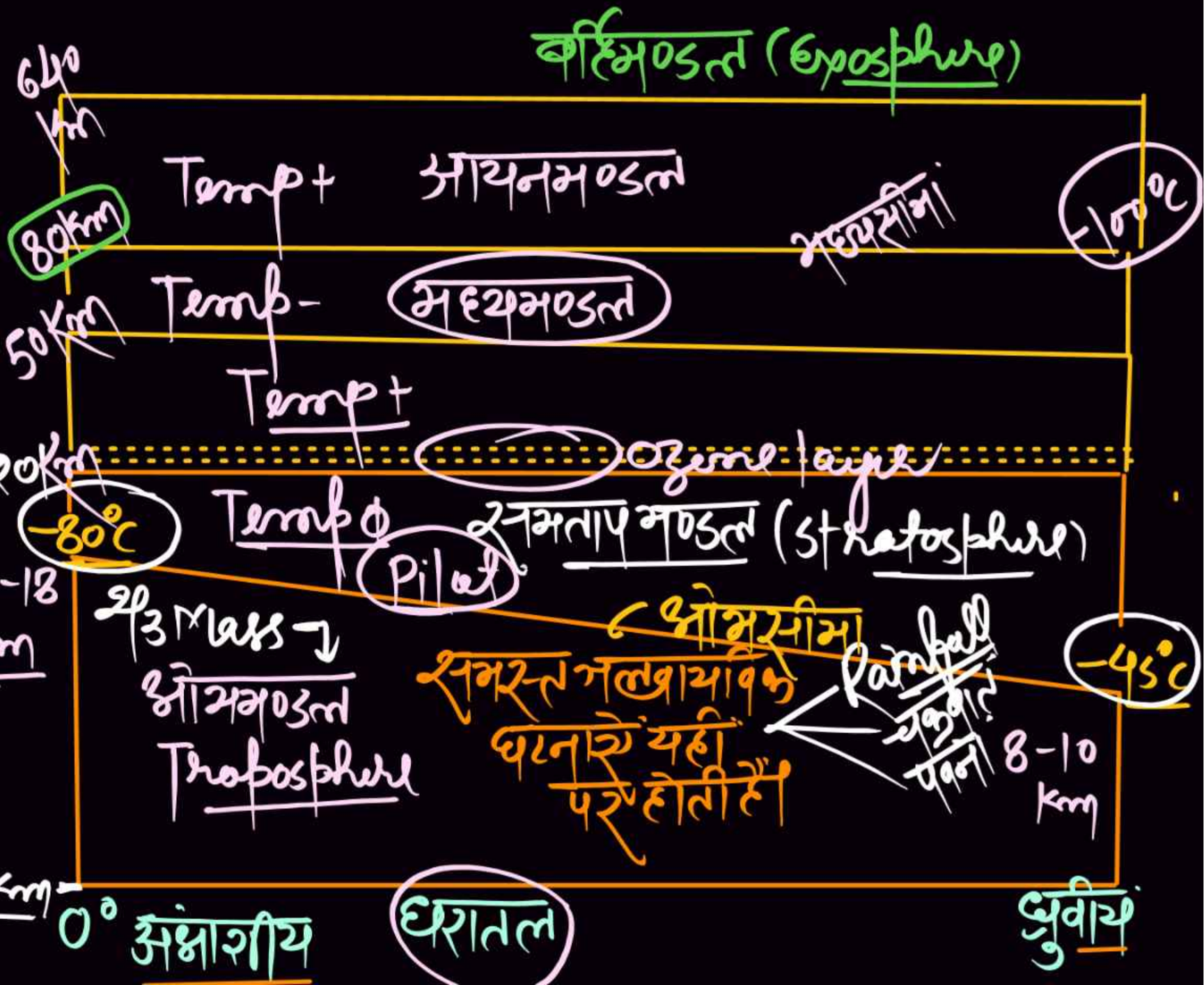

ओमण्डल = Troposphere

Ratio = 165 m | 1°C ↓ / 1 km | 6.5°C ↓

ऊँचाई बढ़ने के साथ तापमान घटता जाता है

6-18 Km